खतरे में देश! उत्तराखंड-यूपी में बाढ़ का कहर, दिल्ली डूबी

विषय सूची (Table of Contents):

>> 1. देश भर में मानसून का कहर उत्तराखंड, यूपी और दिल्ली में भारी बारिश से जनजीवन ...
>> मानसून 2026 की मुख्य झलकियां और वर्तमान स्थिति...
>> 2. उत्तराखंड का हाल 6 नदियां खतरे के निशान पर, बद्रीनाथ समेत कई नेशनल हाईवे बंद...
>> घाटों और मंदिरों का जलमग्न होना...
>> यातायात और राजमार्गों की स्थिति...
>> 3. उत्तर प्रदेश में बाढ़ का खतरा दर्जनों गांव और स्कूल जलमग्न, सरयू-गंगा उफान प...
>> गांवों और सरकारी भवनों पर असर...
>> उत्तर प्रदेश में बारिश का अलर्ट...
>> 4. दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सितम जलभराव से लंबा जाम, खुले नाले में बहा युवक...
>> द्वारका में दुखद हादसा...
>> गुरुग्राम और एनसीआर की स्थिति...
>> 5. असम में बाढ़ से हालात बेहद गंभीर मृतकों का आंकड़ा 97 पहुंचा, लाखों लोग प्रभा...
>> सबसे ज्यादा प्रभावित जिले...
>> 6. राजस्थान और बिहार में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी, हिमाचल में भूस्खलन...
>> बिहार में 15 जिलों के लिए चेतावनी...
>> हिमाचल प्रदेश का मौसम हाल...
>> 7. मध्य प्रदेश में विपरीत स्थिति 48 जिलों में सूखे जैसे हालात, फसलों पर मंडराया...
>> कृषि और फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव...
>> 8. मौसम विभाग (IMD) का ताजा अपडेट जानिए अगले 24 घंटों के लिए कहां-कहां है अलर्ट...
>> राज्यवार अलर्ट लिस्ट (PDF Status Check)...
>> निष्कर्ष...
>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...

1. देश भर में मानसून का कहर: उत्तराखंड, यूपी और दिल्ली में भ

देश के विभिन्न राज्यों में मानसून 2026 अपने विकराल रूप में पहुंच चुका है। पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। कई राज्यों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन (Landslide) की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आम जनता का सामान्य जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण मुख्य राजमार्ग बाधित हो चुके हैं, वहीं मैदानी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और राजस्थान में जलभराव तथा नदियों के उफान से जनजीवन पटरी से उतर गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने कई राज्यों के लिएOrange AlertऔरYellow Alertजारी किया है।

मानसून 2026 की मुख्य झलकियां और वर्तमान स्थिति

>> पहाड़ी राज्यों में संकट:उत्तराखंड में प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर और कई राष्ट्रीय राजमार्ग ठप।

>> मैदानी इलाकों का हाल:उत्तर प्रदेश के गांवों में बाढ़ का पानी घुसा, स्कूल और घर जलमग्न।

>> राजधानी क्षेत्र में आफत:दिल्ली-एनसीआर में सड़कें बनी ताल-तलैया, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान।

>> पूर्वी भारत में त्रासदी:असम में बाढ़ की वजह से अब तक कुल 97 लोगों की जान जा चुकी है।

यह भी पढ़ें:देश की अन्य महत्वपूर्ण खबरों और भर्ती अपडेट्स के लिए देखेंJSSC उत्पाद सिपाही 2026: रिजल्ट जारी, मेडिकल जांच का शेड्यूल देखें!

2. उत्तराखंड का हाल: 6 नदियां खतरे के निशान पर, बद्रीनाथ समे

देवभूमि उत्तराखंड में लगातार हो रही आफत की बारिश ने भारी तबाही मचा रखी है। राज्य की छह प्रमुख नदियां, जिनमें अलकनंदा, मंदाकिनी और भागीरथी शामिल हैं, खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। रुद्रप्रयाग और हरिद्वार में नदियों के रौद्र रूप को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क मोड़ पर आ चुका है।

घाटों और मंदिरों का जलमग्न होना

हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण प्रसिद्ध घाट और जल किनारे स्थित मंदिर पूरी तरह पानी में डूब गए हैं। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदी के उफान को देखते हुए जिला प्रशासन लाउडस्पीकर के माध्यम से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर रुद्रप्रयाग के सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है।

यातायात और राजमार्गों की स्थिति

पहाड़ों से टूटकर गिर रहे मलबे और पत्थरों (Landslides) के कारण उत्तराखंड की लगभग 132 सड़कें पूरी तरह से बंद हो गई हैं। चमोली और कालेश्वर में सड़क पर भारी मलबा आने से बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री नेशनल हाईवे ठप पड़ा है, जिससे चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

3. उत्तर प्रदेश में बाढ़ का खतरा: दर्जनों गांव और स्कूल जलमग

उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हो रही निरंतर बारिश से नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान के बिल्कुल करीब पहुंच चुकी है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। बलिया जिले में सरयू नदी के तेज कटाव के कारण महज एक हफ्ते के भीतर 27 से अधिक मकान नदी के तेज बहाव में समा गए हैं।

गांवों और सरकारी भवनों पर असर

राज्य के 33 से अधिक गांवों और लगभग 40 सरकारी स्कूलों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से प्रसिद्ध रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधा से ज्यादा जलमग्न हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव दल (NDRF SDRF) तैनात कर दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी जारी की है, जबकि 18 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। स्थानीय प्रशासन ने किसानों और ग्रामीणों को जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है।

सुरक्षा टिप्स:आपात स्थिति या घर में आपदा प्रबंधन के उपायों के लिए पढ़ेंगैस सिलिंडर में आग लग जाए तो क्या करें? जानें 3 जादुई तरीके

4. दिल्ली-एनसीआर में बारिश का सितम: जलभराव से लंबा जाम, खुले

राजधानी दिल्ली और उससे सटे नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद तथा फरीदाबाद में गुरुवार को हुई भारी बारिश ने पूरे एनसीआर की रफ्तार रोक दी। सड़कों पर लबालब पानी भरने से दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे समेत कई मुख्य मार्गों पर गाड़ियों की कई किलोमीटर लंबी कतारें देखी गईं।

द्वारका में दुखद हादसा

बारिश के दौरान दिल्ली के द्वारका सेक्टर-25 में एक दर्दनाक हादसा सामने आया। तेज बारिश के बीच एक युवक खुले नाले में गिर गया और पानी के तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर 7 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन युवक का कोई सुराग नही मिल सका।

गुरुग्राम और एनसीआर की स्थिति

गुरुग्राम में सड़कों पर घुटना भर पानी जमा हो जाने के कारण दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और आम यात्रियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ा। नोएडा और आसपास के इलाकों में शुक्रवार तड़के भी रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा।

5. असम में बाढ़ से हालात बेहद गंभीर: मृतकों का आंकड़ा 97 पहुं

पूर्वोत्तर भारत के राज्य असम में बाढ़ की स्थिति अत्यंत भयावह बनी हुई है। ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, दो और लोगों की मौत के बाद राज्य में बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 97 हो चुकी है। असम के 15 जिलों में करीब 1.68 लाख से अधिक लोग इस भयंकर प्राकृतिक आपदा से बुरी तरह प्रभावित हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित जिले

>> गोलाघाट:हजारों एकड़ फसल और आवासीय क्षेत्र पानी में डूबे।

>> शिवसागर:संपर्क मार्ग कटे, राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर लोग।

>> जोरहाट:ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर।

राज्य सरकार और राहत टीमें लगातार प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री और चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं।

6. राजस्थान और बिहार में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी, हिमाच

देश के अन्य राज्यों में भी मानसूनी बारिश का असर साफ तौर पर देखा जा रहा है। राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, करौली और अलवर जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई है। भरतपुर में 8 इंच तक बारिश रिकॉर्ड की गई है, जिसके चलते मौसम विभाग ने 5 जिलों के लिए भारी बारिश काOrange Alertजारी किया है।

बिहार में 15 जिलों के लिए चेतावनी

मौसम विभाग ने बिहार के 15 जिलों में बारिश, आंधी-तूफान और वज्रपात (बिजली गिरने) की चेतावनी जारी की है। बक्सर समेत 5 जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश का मौसम हाल

हिमाचल प्रदेश में हालांकि मानसून थोड़ा कमजोर पड़ा है, लेकिन शिमला-किन्नौर नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। राज्य के 2 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट अभी भी प्रभावी है।

ट्रेंडिंग न्यूज़:देश की ताजा राजनीतिक हलचलों और अपडेट्स के लिए पढ़ेंजंतर-मंतर पर गालियां सुनकर भावुक हुए पीएम मोदी, दिया ये बड़ा बयान!

7. मध्य प्रदेश में विपरीत स्थिति: 48 जिलों में सूखे जैसे हाल

एक तरफ जहां देश के कई राज्य बाढ़ और भारी बारिश से जूझ रहे हैं, वहीं मध्य प्रदेश में इसके विपरीत स्थिति बनी हुई है। राज्य के कुल 55 में से 48 जिलों में सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं। यहां इस मानसूनी सीजन में सामान्य से लगभग 46% तक कम बारिश दर्ज की गई है।

कृषि और फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव

कम बारिश होने के कारण मध्य प्रदेश के डैम और तालाब खाली पड़े हैं। जबलपुर में पानी की कमी की वजह से धान के खेतों में दरारें पड़ गई हैं। वहीं उज्जैन संभाग में सोयाबीन की फसल में इल्ली और कीट लगने से किसानों की चिंताएं अत्यधिक बढ़ गई हैं।

8. मौसम विभाग (IMD) का ताजा अपडेट: जानिए अगले 24 घंटों के लि

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, मानसूनी ट्रफ लाइन की सक्रियता के कारण अगले 24 से 48 घंटों के दौरान उत्तर-पूर्वी और मध्य भारत में बारिश का दौर जारी रहेगा। आम नागरिकों को मौसम की स्थिति (Status) देखकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है।

राज्यवार अलर्ट लिस्ट (PDF Status Check)

>> उत्तराखंड:भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी, पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का जोखिम।

>> उत्तर प्रदेश:सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट, 18 जिलों में भारी वर्षा का रेड ऑरेंज अलर्ट।

>> राजस्थान:5 जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी।

>> बिहार:15 जिलों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने का अलर्ट।

>> दक्षिण भारत:पुडुचेरी और तमिलनाडु के कई इलाकों में तेज बारिश से सतर्क रहने के निर्देश।

निष्कर्ष

मानसून 2026 का यह दौर देश के अधिकांश हिस्सों में आफत बनकर बरसा है। एक ओर जहां उत्तराखंड, यूपी, असम और दिल्ली में नदियां और बारिश जलप्रलय की स्थिति बना रहे हैं, वहीं मध्य प्रदेश में बारिश की कमी ने किसानों को संकट में डाल दिया है। आपदा प्रबंधन टीमों द्वारा प्रभावित इलाकों में लगातार राहत कार्य चलाए जा रहे हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे मौसम विभाग की आधिकारिक गाइडलाइंस का पालन करें और जलभराव तथा नदी-नालों से दूरी बनाए रखें।

महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

उत्तराखंड में लगातार बारिश की वजह से अलकनंदा, मंदाकिनी और भागीरथी समेत कुल 6 नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं।

नही, भारी बारिश और भूस्खलन (Landslides) के कारण बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री नेशनल हाईवे समेत राज्य की 132 सड़कें बंद कर दी गई हैं।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 तक पहुंच गई है और 15 जिलों में लगभग 1.68 लाख लोग बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश की संभावना जताई है, जिनमें से 18 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

दिल्ली-एनसीआर में जलभराव के कारण दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे तथा गुरुग्राम की कई मुख्य सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया।

मध्य प्रदेश के 55 में से 48 जिलों में सामान्य से 46% तक कम बारिश हुई है, जिससे वहां सूखे जैसी स्थिति पैदा हो गई है।

राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, करौली और अलवर जिलों में 8 इंच तक बारिश हुई है। जयपुर में भी रातभर पानी बरसा है।

मौसम की ताजा रिपोर्ट और चेतावनी स्टेटस चेक करने के लिए नागरिक IMD की आधिकारिक वेबसाइट या लाइव न्यूज़ पोर्टल पर अलर्ट अपडेट देख सकते हैं।